

१ स०६६ कि साज न कि सन १० स को पा व दा या व न द प को पा व न मा

॥ म० ६१ सकिमा किकिसन ४ म० हु वाहो गिकि दहि नानुद भव मा
जाकु का जना मा द सज द ५३ को ॥ ध्या

१५५६१ मिमांसा विनिर्णय सङ्ग्रहः दशमः पाठः सप्तमः अध्यायः

॥ ल॥ स॥ ६६७ मि० थ० सा० क० क० न० पु० ग० द० पु० ग० सा० द० गु० सा० न०

॥ सत्त्वगुणरूपं ब्रह्म तत्तत्त्वज्ञानं ॥
॥ तद्विद्यायाः प्रथमा उच्यते ॥

[illegible]

ॐ
१४३६ रावत ६३३ सति ८ गपुका
जसराउक नैरा अभनाइ तहने
पविर्त्तनमात्रि आर्वनागश्रमसहि
मिखल केळक न ९० सहदेहा
हेनने तेयादि रविराख्या रे नामा दुहाउभा ॥
क ७५५ म देस विप्रोक तसलेद्वी सुहावे ॥

ASHA ARCHIVES

ॐ नमः शिवाय

10/2

ASHA ARCHIVES

मा

[illegible][illegible]

म ११७

[illegible]

निवृत्तः कदाचिदपि न भविष्यति

तद्विवाहश्च विद्यमानः कुलदायादयः कुलदायादयः

३३

२००६ सिकत ५३ मि. साधन कि. सुन ३ सत ध. वासा न स इ इ मि. म न १०८ ४१०

सहस्रमिहगुणसुनिनिश्चयसाधकप्रवृत्तवाक्यतन्त्रकौशिक्यातद्व्यापकद्वयमाध्याय
सहस्रमिहगुणसुनिनिश्चयसाधकप्रवृत्तवाक्यतन्त्रकौशिक्यातद्व्यापकद्वयमाध्याय
साधकप्रवृत्तवाक्यतन्त्रकौशिक्यातद्व्यापकद्वयमाध्याय

१ यन्नत्रिमाथचरसिंथायारुननराकुदुनेतुरुतंककासांत॥ श्री ३ त्रादि दविकमला
हृदिवशरीधमनसरूपीभिर्वशाकैः कन९९ स

[illegible]

१ सप्त० मित्यं कृष्णक १५ सप्तकुरिह कृष्णमिनर पुत्रि १५ दुना सथा क दाग था क हा नि सा त

१ सलक्ष १ मिथेन कि सन १० सया क द स मि १३ कु वा क स १३ सा य ल व न स १३ द या
म न स न क न या वा क मु क नि श न

[illegible]

स वत १०१ समिधं त किसन १४ सुश्रमा यत्र खुद्रुत अयाथु तिससो द्रुभस त
सादव काजिव वीवित दे ससो का विवासा क न दे नो त सीत त अद्रुखु तिसा क त
पुसानो धे द्रु क

१ स व न १०१ स मि ध न कि स न १४ स शि य व त र वु क्त ॥ अ य थु रि स थ द्भ स त
सा द व का रि व री वि त द स थ क वि वा स्य क र द नो त सी न त अ द वु र्गु रि यो क त
पु सा नो ध क

२ स भ क गृ थि या व रि द्भ क गृ ध न क श त र स वि या द व रि का य पु त य गृ व रि न क
२ य दा त या व रि द्भ क

२ स भ क गु थि या वरि दु क गु ध न क श त र स वि या य वरि का य द न य ग वरि न क

२ यदा तु या वज्रि उम रु

२३ मुद्रा वज्रिडा ॥ १०

२२५ वृत्तवर्जित् १०

२४३ वृत्तवर्जितम् १०

२४ सिं वाहा द्या वजिउम रु १०

२ किती का वू या व जिंजा रु १०

२४५७ दूगमे वूया वजिउमरु ५

२२० वा वृत्त्या व जि ३५५ २० ३

२४ सिवावावयावदिभरु १०

११॥ व्यावजिउम २० १॥

२ गोहा व व्यावजिउमरु १२

१७३॥ स व त र ५३ मि वा ख ३ क ११ म स क

आवासायाह देव देहसमन्ताक
यक्षि तवा यथा तौ यथा ॥ १५ ॥

त्रिंशत्तमः त्रिंशत्तमः त्रिंशत्तमः
 त्रिंशत्तमः त्रिंशत्तमः त्रिंशत्तमः

गुप्तसिद्धिगता तैसिदात्रमुदवा ४५ राह

२०. दानं विना ब्रह्मिणः कश्चिद् दत्तं न भवति

त का ५१ अध्वरित क व रं त भ पा र म

मातरं वदन्तु कुरुष्व विष्णुः शरणं नृणां

सहस्रद्विंशतिं तन्त्रं कन्यासविद्यागुदामशु

१७८॥ स० १० कि० १५ कि० स० १४ स०

सलामसद्वगसनिववातलम

संज्ञा तत्त्व के निरूपण या तत्त्व
विज्ञान मूलका है "विज्ञान के" मूल

विष्णु स शिवोर्व दविष्णो क मन्त्रो
मन्त्रो मन्त्रो मन्त्रो मन्त्रो मन्त्रो

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सगलें विविध प्रकारच्या जगाक

सुसुमलं त्रया त्रयनेत्रियिदम्

कौट्याय दत्तुं यदुक्तमिदं कालम्

वैष्णवदाससंभगुपायद

समं गुणं प्राप्तं वदति सिद्धिं यतः

उत्तु वा तै १ वै क ३ १ मा त्र ४ ४ ४ १ १ मा

नकादि। सिमुहवात । चककि । ग्यरग्य

सकिमि तापुकि मूत्रयकंति । मात्र

विभाषि यमा

शुद्धसंस्कृत १०३२ मिति दिनागा ३२ आसाद्या निमन

रसकिमितापुक्तिमुत्रयकंति। मात्र
२ दिभाषियमा

ॐ स्वस्ति नमः १०३२ निति दिहागा ३ स आसाका जिम बुदना जयागु
मह याजुरसूत ॥ १० ॥ ११ ॥ मनि बुदसरिर किमैस दान किय ॥
१॥ गुरु के आजा सुनिय रागाः निरगत जो ग्य करिय ॥ १॥ भाई दो
हिस तिस वजन आई मिन ह जो ग्य करिय ॥ १॥ औ से अउस एव
व एव उचैः इद्रुल नेकु आई रा देस को रूप धटिके जो गम वष
मे आई ॥ २ ॥ मैस दान देहो मनि बुदः चौ दिन भोगन पाई
॥ औ से भोग किः पीरा हा मारा रक्षा करि देत ॥ ३ ॥ भा
त सा वृद्धे मितु न वृद्धे मागल स देखि मैसः ॥ औ से भय कट
दखिन कपः सवजन भागन भाग्य ॥ ४ ॥ विवै तुरा वस
रगत किमैसः चित लेविरा देखाई ॥ यो हा माटिस रिर किट
गत किमैसः भेय करिले इच्छा पूरि ॥ ५ ॥ सुनिय रा देस
रगत किमैसः ने के प्रान के थि रा ॥ माताः पिताः तिजिन वृ
त्र भय हो मुखा विलाप ॥ ६ ॥ सूतन ए मुनिज रा सवै देखी
ये ॥ वृद्धे मनि बुद वोलाई ॥ दान के काटन को मज सरिर
चित्र माति देखाई ॥ ७ ॥

१३८ ॥ सवत १६५ मिने सुठु क ११ स. सिसिकि ताका स खाना उ ग वा थु ३ द तु विमात्र
 दनुमान सिसिकि थ म नाना नो के द न सा सिसिकि थु ग १० अ वा विमा दे तु सिसिकि थ स
 न स नाना नो का न सा सिसिकि थु ११ ४ अ वा विमात्र स मी न द तु विमा १० द बु स १२
 गो वा वु स थु ६ ता को

१३९ ॥ सवत १६६ स मिमा थ ठु क प स सिसिकि ता का का ल व ना क वु स थु १५ ता का द तु विमा द नु क न
 सिसिकि थु ग १० अ वा विमा थ म नाना नो ता कु सा सिसिकि ~~११ ४ अ वा विमात्र~~ नाना नो सा सिसिकि
 थु द स तु विमात्र थु ग १४ अ वा विमात्र

१ हय मुनि पुन विनिद्र सयात दि आविमगुध न कश न

२ ग३ ल॥ स व न त ६२ मि मं सि त ग३ क ५ स दि आ या त कृ प वि या
दा म न का ५ अ ध रि मा क्ष या वि द्वा ना ग १ जि या म भा र कृ मा हा या
का कि रं १० या जि य नि द्र स या वा ति
व जि रं १२ या थि नि द्र स या वा ति

२ ग३ उ पु सा या त द द्वा ग १४ जि नि द्र स या वा ति न

१ जि सि व द या द द्वा ग १४ धा जि नि द्र स या वा ति न

१ जि सि द वि र पु कु द द्वा ग १६ धा जि नि द्र स या वा ति न

१ सि द्वा द वि र पु कु द द्वा ग १२ धा जि नि द्र स या वा ति न

२ द द्वा न का द द्वा न का २ धा वा त नि द्र स या वा ति न

२ गु न स म र पु कु द द्वा ग ३६ धा जि नि द्र स या वा ति न

२ ग३ श ष रि पु सा जि ना या द द्वा ग १२ धा जि नि स या वा ति न

१ थ न रि त पु सा या त द द्वा या त कृ प का त नि द्र स या वा ति न

का कि रं २ या थि नि द्र स या गु वा ति न

व जि रं २ या थि नि द्र स या गु वा ति न

दा म न का १ धा वा त का नि द्र स या गु वा ति न

द द्वा ग १२ नि द्र स या गु वा ति न धा वा

१ का धा का कि रं १ कु प्र नि द्र स या गु वा ति

१ नि स ता व रि रं १ कु प्र नि द्र स या गु वा ति

१ जि सि द वि ना या पु न र पु कु वि मा ग३ ल॥

॥ ७१ ॥ स ह्यस्य पुनर्विनिर्मुक्तया त्वविज्ञाया तस्य सुहृन्ना मुधय कस्त

२४ साककिसन ५ स ३३ क गु न्या नात का १ अधत्रिया दुवाधि ४ ल ३३ त का या

१ मातृ तका १ अक्षरितो योपि ६ ॥ लल्लु तका ॥

१ यमायूत का प ऊर्ध्वत्रिंशदुयाधि २ कुत्र १

३। मायनका १ अध्यायमादुकायि ४ मनाइला नका ३ अध्यायमादुका
मायनका १ अध्यायमादुकायि ४ मनाइला

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

वानादि तत्र नानाकार जलप्रिया

उ के नाना तका १ अक्षयिया कृत यत

रुसिकुडुदुजगु

ॐ वाजिष्ठाका ॥ अक्षय्या

हसद्दु कुसगदिनायि

२ ग र का म धि कु के न ध र न्ना ना ध्मा नि ३

इतका ३०॥ अक्षित के

सायध्वानि३ प्र३ इतको१ जध्वानि३ तकाया

श्री नानातका १ दुर्वाधिदलाकृतकोपा

ॐ साकि कुत २ मा न साय कुत २ मा न

शिवसामयिकु केन निजो यो न

कवसितोपि २ मना २ दुःख ३ ज्ञाधि

हम वाङ्मयं कृतिं मया कृतं कृति

यसाहा न स ३०० द १ निस्तान कति स त्रविजा

वसिष्ठ ४२० दृष्टं कालं । ज्ञानं विदितं नि

स २१० विद्या, कृतिनि स २१० विद्या

ଉତ୍ତମ ୧.୫ ଦୁର୍ଗୁକାର ଉପାଧି, କୁନି ଗବ ୧୫ କୁନି ଗବ ୧୫

कैलास २०० दशक २ अक्षरि द्वितीय १०२ -

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१ यो लोदा एव त्रिनेवान
२ य न्यहं दु न का १ ॥ ३ ॥ धा वा न का
३ का वा ग्य ६ दु ल का ॥ ४ ॥ धा वा मि लु का ॥ ना नि
४ का कु म धि त य गु नै ७ ४ ६ ३ का ॥ ५ ॥ धा
५ ज ना का म गु धा ना सि ग्य १ ६ ज ना १ ॥ धा
६ ना नि ज ग्य १ ० ० ५ न का २ ॥ धा वा
वा नि ६ ज ग्य २ ०
७ स त्रि धा ३ ० ० ० ५ न का १ ॥ धा वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वसाहा १२०० द... नि... कति स... वि...

वसि ४२० दु... का... वि... नि...
स २१० वि... नि... स २१० वि...

अम १.५ दु... का... अ... नि... १५ दु... नि... १५

क... पु २०० दु... का... अ... नि... क... पु १०२ -
दु... नि... क... पु १०२ त... म... वि...

आ... स ३०४ दु... का... अ... नि... १५२ वि...

ता... न... २ मा... पु... न... का... अ... नि... १ मा... वि...

द... सि... २ दु... का... अ... नि... न... नि... १ वि...

वा... कु... नि... ३ दु... का... अ... नि... नि... नि... १॥ वि...

व... द... वि... ४ दु... का... अ... नि... नि... २ वि... म... मा...

वा... त... वि... २ दु... का... अ... नि... नि... १ म... २ वि... वि...

दु... दु... मा... २ मा... पु... का... अ... नि... नि... १ मा... वि...

वा... कु... १ दु... का... अ... नि...

वा... कु... म... वि... कु... त... सा... वि... १५॥ पु... पु... पु... पु...

१ द... सा... न... स... न... सा... ३ पु... न... का... अ... नि... सा... पु... पु... पु...

का... नि... का... पु... सा... ३ पु... न... का... अ... नि... सा... पु... पु... पु...

स... २ पु... का... पु... पु... न... का... अ... नि... स... स... स...

गु... पु... द... स... १ पु... पु... पु... पु... न... का... अ... नि... मि... स...

म... ग... र... का... पु... पु... पु... पु... न... का... अ... नि...

त... का... १०॥ अ... नि... पु... पु... वि... मा... ४५॥ ला... वि...

१ वा... कु... म... वि... कु... त... कु... पु... न... नि... ४५ पु... न... का...

१ वा... कु... म... वि... कु... त... का... कि... १० क... क... सा... सा... सा...

१ वि... के... ६ पु... न... का... १५ अ... नि... वि... के... पु... मा... पु... पु...

१ अ... त... ४ पु... न... का... ४ अ... नि... मि... वि... क... मि... त...

१ कु... ना... वि... ४ पु... न... का... २ अ... नि... क... ना... कु... पु... स...

१ कु... ना... वि... ४ पु... न... का... २ अ... नि... क... ना... कु... पु... स...

वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि...

वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि...

वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि...

वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि... वि...

॥ २

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ साति संवत् ११११ किराद वकि सन १३ ससिख मुमु वा हा
 मड ना मया श्री वरावा ३० म ड वदि नि ३० ३० मा न
 विर वरावा ३० म मा रे तु या था ता वि मा तु का १ धा
 पुयिक २ मि वि या

१ स वत् १११ ११ म न द स मा म ध वि वि या ता वि या त कानि २ सू का ॥ ग वि ॥ ध वा त का स ध ग दी

श्री

सुभ सं म त १० ३३ साल मि ती सि हा ॥ थो १ स ते ज वि श्व ज्वि जु ल
 अन लि श्व ज्वि जु या रु धि द से लि व दी नी दु ख थ का लि जो ग न
 र सी नो को सु व ध र श्व को व दि मी उ मा १० द से न आ का जि
 सि रि मा या या के स मे गु थ या ध न ह कि दे गु र्म दारे त
 य धा ल आ सा का जि सि रि मा यी र्म दारे त य म ख ध या
 जु जु या था म र से त य म ख जु जु या हो क म जु सा सि रो घ न
 या ना त य म ख सा १ त य म ख २ त य म ख ३ त य म ख ध या
 अ ले था का ति नि से त य धा ल अ थे ने त य म ख ध या
 उ ले ज धा व १० द सि न आ सा का जि सि रि मा या या
 त फु की सि न ह रा या त लु र या चो ना व द या त व ने म द ध
 का ज व ह लु र व जु जु म नु व या श्व व ल उ मा म ड १०० द ड
 गु व स ते जु जु मा म ड ह दा सि पा ई त र्व मि यी द ज थे
 धा मा का सा का जि सि रि मा या या के ने न सि रि मा या
 आ सा का जि गु र्म २ द पा ला जु ल व या त जि मा वि ग
 ध या ज ज म र

ध्याः कासाकाजिसि रिमायाः या केनेनसि रिमाया
आसाकाजिगुह २ दपालाजुल वधात जिमाविगु
धयाजुजुमनुन मनासिवखव अ धे हे यागुजुलव्याल
अजुजुमनुन कासुगामिलेजुल पाचलेयाईमि सुखव
होपी सुवधा ए यापाजुल अरै रि जिमा विधा आसा
काजिसि रिमायानिह्यथ वत ता पि के है पि कायहेरा
काजिभिनामचाज्मा भो दि माचाचो ना विधा सियागु
सं धुज्व १ विज्वगु केन ए ज्व २ खासिज्वज्मा ३ कासि
ज्व २ हादुगु के बाधजः ज्व १ काध गज्वज्मा १० सिरु
यागु कले तज्व चि याना १ ज्व २ खलाज्व ८ समेदगु
वसति निखा क विंथागु ज्माज्वजो काग तप न कक
विधा दीन क समया दुरुया नी वाकि ३१॥ मोह कथि
१६॥ कथि ज के वाकि २ दगु फुक वरे या धुन विदवि
गसिरुया को हाज्व पा ५ भादिया सिरुयागु ५
हो क चि यागु द पा १ नयागु नागादयु १ मसिकगु
दगु १ बाहा ले दानु कि ज यागु तमसु फुक वि धुन सि रि
मा आस्का १ जि यात वरे यागु भ ए पाई कायधुन
जुल सभं सै ज्वत १० ३३ मिति तद रंगा १ सचोयादि
ननु सुभं

१ सत् सैव तत्तत् १ मि वे ये सा क वदि १५ सत् स भ गथ या जा कि उभ दा
या ल्या स स्व या थु ग्ग सैव तैथ या रु छो इ न सत् ४५
१ वा कि वि य मा जा कि रू १५ ६

ल्या स स्व या वि विं अ का लि १ न ल स १ ध न १ ल छि १ ह ख १ अ भ क व त्र १ व न वि
१ वे स्या मु नि १ मु नि स्त १ स ध ल १ व न वि ॥ = ॥ = ॥ = ॥ = ॥ = ॥ = ॥ = ॥ = ॥

न मि णी, सा क शि हं: श क त रि त क र्त्त, ध मे त्ता रु म ह स
त्र ॥ स व ह्नु लान का र्थ, ति मि त वि त रि तं, श उ ग तं, वा धि त
ह्नु, व्य मो धा त्, म ती द, द श व त व त्रि त, णी ग त, वि स्य त्, वी, श
व ५५ लो क ता थ, श क त त य व, ह त्, श थि त भे ति त्ता क
रु गा दी दा न, स्य र्थ त ता थ, श सा त वा ह्नु धि त रि त त्, व
रु न ग द वा स्य त वि स्य पा न, न मा मि वा डि, स्य त थ मे धा रु १
न मा मि ये त्, शि त शा, स दा ह्नु, ते लो क वं घ, श ग ता त र्थ च,
वि स्य त्, वं रि द्, त्, वं त, वि वि त व ध, व व त्, ग र ता
स्य धि

नमो मित्रे लुप्तितशासदाहं ते ला क वं घृष्टगता तयं च
विश्वधनं वं रिदु नूत वं न विविन व धृष्ट व नै ग र ता
रु धि

वं घृष्टी शाक शि दं श न न त श दि नं य व य वा दि द शं शं
शा न य व ला निक त ज न नि धि गो त म व द नार्थं शं शा न
शि य नार्थं श क न र य रु नं थं पि तं ध मे कु नं ते न क ध
मे व न र ग न श त नि त यं नं वि तं य व ला कं

विताविनमुविनसंविननंवेनानविताकवेसुन्यांतिधकेतवंस्वर्तनं व
मो क सुखा रु वं मार्गो द मुविमुद वि व नि ध यं ध पं स दा नो मि हं
(जगत्मायाध वि सु न न म न सि हं कि न व ले स दा व प्र वि ष प स प ति ग र ध न ग वि न
न न ज ग द्वा यं नं क न म वि वि न नं गो न म म हं न मा मि शी म नं अ र्क रु ष न नं
भा रु रु ल दं

(गुहं रु इ रु षा न ता स ध मं प र्क व लं स न्दि नं स र्व रु वि वि धा न ता रु य क नं वी प्रा स
जा न स कं व र्ध हं य मं व र क सिल सा आ का न क पा म या

(धु स ल व र्क वि सा न मु ला व नं वि वि द न त वि ह प नं य उ न दा सि क प र्क कं भा न
न नि सि दि नं प न मा मि ज ग त न

२५५ मि. पायुत्र

२७३५ रुद्राष्टक

२७३ रुद्र उक्त
२८४ रुद्र उक्त ॥ रुद्र कृत दिव्य गत रुद्राः स वत् ३६ कि विराग ३५

१ सुजकत्रयापुत्रः॥ सुजकत्रयदशगतिः॥ सुजकत्रयविंशतिः॥ सुनिधेः॥

१५०३ क त यो धुति
१५०४ म पुत्रे न केत या पुत्रे न रुपात् मे न ता शिवा विना ह उता द्रव
२५०५ ति य पुत्रे दे जा मा मै म सा ति त्रे कि मि नि ति मि द्वे जा त स व त र मि ब्र ह्म क थ क ल दि ण त स व त र ग र मि ख नु त कि

१ पुत्राजमुनिजन्मसप्तश्रिगुता गणेशवत्पुत्रमुखा वतल ७४ मितकृत्यमान

त्वं वी द व ध नाथं श क ल ह्नि त क रं द हि म श वे पा र्थ त्वं
 द वं द व प रं ह्नि त व न ह्नि त क रं श व ला के हि त्वा र्थं प व ह्ना
 न द ह्नि श क रं ग न श नि रि श व ला ग वि म ग तं त्वं श व
 ह्ना व ध नाथं श वे ह्नि त क रं त व ध नाथं व मा मि हं व

ॐ स्वा ना व शु कं वृ ङ ग न॥ श तं॥ वा धि नि क लं॥ श म द न तं
 श त्वा॥ नि त न वि प ना न ल रु णी प दं॥ ग न ना ॥ अ हं न॥ द
 श व न प दं॥ पा रु म न शा॥ य ना रु ङ नं॥ कि न क न य न॥ न
 म शि त शा

शवे कुरुचक्रवृत्तिः निरुवत विज्ञतं॥ श्वेला कक्षताथं॥
उल्लवपुत्रपुष्पः श्वेततत्रनिहि॥ धमेयकृष्णद्वयः॥
श्वेता नाधुनेतालाः श्वेतगननिधिः जायदिया वधमेतं॥
ॐ श्वेता वधया कुरुष्व न यलविज्ञः श्वेतभाः श्वेतगनं॥

न मा मि शी॥ वृधं वत्र गृ न नि धि या प रु त नं॥ नं ॐ सा क शं
 प वा श त न त ग न वं दि त य दं॥ स्य त्र यं का त नं॥ क म ति
 रु त नं॥ त्र क हि द् कं॥ श दा त नं॥ नि तं॥ प द म श स्य दं॥ द त
 ग ती रु ली

[illegible]

न मा मि णी॥ वृधं व न ग न नि धि या प ह न न॥ ते ॥ ल क श
प वा श न न न ग न वं दि त य दं॥ स र प का न न॥ क म ति
ह न न॥ न क हि द क॥ श द र न्या नि न॥ प द म स ख दं द त
ग न र ल

व द्वा दि प वा॥ श र कि नं णी॥ वे न स द ह न वि न क श मा तं॥
प र य स ञ्च ग न त र्प तं॥ वृ णा य कि ला पु न मा मि॥ रु म ता व
प ग्या पा त मि तां॥ श तां॥ क न क वां॥ शो द य्य ल पां॥ व त कं थ
सी रु वि चि त तं॥ स ग ध नां॥ स्वा त चि ता वं दि तां॥ व ध्म नां॥ न न
नि न नां॥ रु ग व ति॥ रु त्या हं प न म स ख लि

णी वृ द्ध न न मा मि॥ हि र व न न मि तं॥ श श्चि तं तं वि द्वा
न॥ वे त ग ग ग म वि द्वा॥ द श त व न य ति॥ ल क न न न ग ग रं॥
र न्या प र्ण प क ला॥ श क ल ग न नि धि॥ प म य न य ता के॥ रु
ने र व स प स त्रे॥ प त म स ग न ष॥ द्या त ग णी ति न र्दं॥
चि तां॥ चि त श चि त श॥ चि त त लं॥ चे त न न॥ चि ता त न वं॥
श क र्ण नि ख र्ण॥ स ग ध नां॥ स्वा त चि ता वं दि तां॥ व ध्म
नां॥ न न नि न नां॥ रु ग व ति॥ रु त्या हं पु न म स ख लि

श क न पु॥ व न ना थ॥ कं च ना तं॥ न न रं॥ श न न न ग नि
न हं॥ प द नि का य नां॥ क॥ च ल न क म ल प र्ण॥ ता रु मा रं॥
च कि ला॥ म नि व न य ल द हं॥ श श्चि त हं॥ न म हं॥

शगधीचरि ॥ ॥ जनमभई होत ज कुमारो विरस्य त र नाम
वरमान ॥ वडत दाता यत्न त्यागि मा लुके श्व स्व पूराई ॥ ॥ क
वत माया मोहन कोरे सुगत के नाम वषान ॥ १॥ मधूर वा
के निर्मल चिंको मल पुने हरिल ॥ दान विना कुदु मवन हिभा
वैकार न जगत उधारे ॥ २॥ चार ब्राह्मन मिलन करि केहसी
मागन आई ॥ जो जो मागे स्व स्व दाता सी दान दियो ॥ ३॥
पुत्र आई प्रजा था मिआ फुत पोवन जाई ॥ अग्या निदुनि
या सव जन लोक विदा माग आई ॥ ४॥ पुत्र आई प्रजा था
मिआ फुत पोवन जाई ॥ अग्या निदुनि या सव जन लोक ना से
ना से कुमारे ॥ दुष मये हो जा लोक देव के नाम पुकारे ॥ पु
त्र आई प्रजा था मिआ फुत पोवन जाई ॥ ५॥ माता पिता द
रसन करि के अंत पुर मे जाई ॥ विज करि के मैदिल रानित
पोवन को दुख आई ॥ ६॥ पुत्र विना मेरे प्रान को चरियार
भा करे हा मरा प्रान ॥ दुष कोरि सुख बना या आ फुसंग
चलाया ॥ ७॥ दुनिया से वस्य मंगल गा व ब्राह्मन स्वसी प्र
गई ॥ पुत्र पुत्री से हित करि के मनो हर रथ चलाई ॥ ८॥ दु
बिधा तुम हो संवत लोक फिर हो आ फुना देस ॥ आदिरे
स को जम भई ईस्वरि को नाम पुकारे ॥ ९॥ औ प्रवात खव
रन सुनि के तुरंग मागन आई ॥ रथ अरकाई तुरंग काई
स्वई भा दा नि दियो ॥ १०॥ औ सेवात खवरन सुनि के वन
को मिग आई ॥ दाता विरस्य तर दरसन करि के मीग से रथ
चलाई ॥ दाता विरस्य तर दरसन करि के मिग से रथ च
लाई ॥ ११॥

२ भा द सा न बु धि क २ उ त २ या

तका ११ धवा सवत १२ मि सा ७ न ७ क १२ स १० ह सा वृत्ति यद १
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या
 त का ११ धवा सवत १३ मि क ता थु क १२ स १० ह सा वृत्ति यद १
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या
 २ न का ११ धवा सवत १४ मि ग ता थु क ७ स १० ह सा वृत्ति यद १
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या
 २ न का ११ धवा सवत १५ मि दि ता थु क ७ स १० ह सा वृत्ति यद १
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि
 २ न का ११ धवा सवत १६ मि गु ता थु १० स १० ह सा वृत्ति यद १
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या न का ११
 धवा सवत १७ मि गु ता थु क १ स १० ह सा वृत्ति यद १
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या न का ११
 धवा सवत १८ मि ता थु क ७ द १० द वि या
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या न का ११ सु का ।
 धवा सवत १९ य ता य ति ३ त ति ह स सा ता वि या न का ११ सु का । सवत २०
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या न का ११ सु का । सवत २१
 २ न १ द स द थु ना त या य जा य ति ३ त ति ह स सा ता वि या न का ११ सु का । सवत २२

सुखग २५

सुभसंभ त १० ३५ साल मिमोद्यथो सवत मिखनू
तेजवि अवजुश ज्वजुल वयाना मीद हि या सत कि ति या
ना पाहा वो ना या खचें नू गु या धल क द य का त या दिन
जलरु भ

होती

सिन्या ना उमा तका	१५	मोह
भूति मना	१३	मू १ मोह
पमोस मना	१५	मू १ मोह
सिंधु मना	१३	मू १ मोह
लाग्या ना तका	२६	मोह
लई सुधानि	१	याम् १३ धावा
पालु धानी	५॥	याम् १॥ मोह
घासा या तको लमाना २	मू	॥ धावा
घासा या तमू स्या मना ३	मू	॥ धावा
वजि मू	६॥ १०	ह या मू वजि
कसि जा	५	वन
मसला जि मले जा सक ती या ना १		मोह
मधि वि या जा २०	त वन मू तका ३॥	मोह
वज्जी वा धानी या मू सूका		॥ मोह
सा ख व गे ल वन मू सूका		॥ मोह
तुका रि तु की सा खे स वन २०		म

मसला जिं मले आ सक तीया ना १ मोह
 मधि विद्या आ २० त वन मृ तका ३१ मोह
 वजी वा धानी या मृ सू का ॥ मोह
 सा ख व ग ल व न मृ सू का ॥ मोह
 त क रि र की म ले स व न २० मृ ॥ मोह
 जि न्या ना तो ला २ मृ ॥ मोह
 प ली ग द न्या ना धा नि क क १ मृ ११ मोह
 सि सा पु सा या त क म ग १ तु या ना मृ ॥ मोह
 द कि ल ख नू पु ज्ञा या ना न्या १ पु ज्ञा या ना
 तो ली मा को म जि म ग क न क मा य ग ग ल

२४५३ बुधिय

१ तर्हि काल जया सा करि कुंवर का धं रु सु वा ता विया

उपायमातकार ध्यासर्पद० भि. साधन. पु. क. ११ स

१०४ वासुदेवस्य कर्तुं कथं दक्षिणा विमा

नुयातुयातकारध्वसलद्धमितादवकिसललसलल

२ तक्षकस्तनयासाकेतिकृत्ये रणार्थं हस्तानां विद्यानुवा

पुमान्कारधामरदरमिज्जकणसुमुआनर

१ तथैवासायामुक्तं हि ब्रह्म धर्मस्यैव ताविद्या नृपतया

तका २ धा स ४ ३ मि जि ४ न ४ क ४ १ ५ स ४ त ४

१ नक्षत्राणां नमो साकलिक वरकाशं हस्त उक्तं बुद्ध्या द्या त्रिविद्या

तक १०० त्रिजाना तक १०० त्रिजाना

काश्मीर वाविहा वर्य वति स र्द्वै मि माण नकिशन पस

१ तथैवादा न्यायः सितमिति मनुष्यं नृणां वृथा वृथा धातुः

दिया नका १ मुनि कृष्ण नका १ त्रि वि वि मा नि धि ४ न

क. र. ध. वा. वि. मो. व. ख. य. नि. स. ल. ह. य. मि. सा. पा. नि. ४३ क. र. स. ३३

तथा वा हा ग या जामिन मति मरुत रुत नु वा तु मा धा न वि मा

तुका १ अथवा ७ मुद्राना तुका १ अथवा ७ कथित विद्याविधिकर्ण

त का २ अ क वि मा स र द द मि ज रा त म क त र स म ल ४।

१०५ वाक्येनानुमितमिति मरुतः ॥ १०५ ॥ वाक्येनानुमितमिति मरुतः ॥

त का १ ध वा ॐ मु ज्ञा ना त का १ ध वा ॐ पि ता यि मा न थि

कनन को रक्षा वापि मा सह ६७ मित्र सा त्रिकसन ८ समुद्र ॥

१ तत्त्व वा ह्यन्यासा कलि कुं दु त्र धं ह स्त रुपा रुपा था ना वि या

तुका १ अथा ३ मुआनु न का १ धा वा ३ यि न वि या स ५ ६ ७

मि. सा. ज. न. ७३ क. १२ स. १७७६ ॥ ७॥

१०४५ कालत्रय सकल हि वैश्वदेव दत्त विष्णु तत्का १ श्री कृष्णाय नमः

न का १ अ वा स ल १० मि अ न य ३ क त ११ म ३३ ३

१ तं क्ष कल नयासक विव प्रत्यक्ष के उत नयास -

तु का ? आ वा से ४ ७ १ मि म मि उ रु क व १ ३ य ल न श ष

२ तथैवाहं नया सा कहि हूँ प्रयास दम नयन नहि

ध्यावा स ह ११ मित्र भूतः ॥ २० ॥

१०४ का ह त य स क रि क र स थ द स त क र म य न रि य

[illegible]

२ नक्ष का हात को सा कहि उ व साधन स न सा न क न

तको १ धु) वा ७ म सा ता रे को १ धा रु द नि ति रि

...नातकी १ धावा ऊँ यि न वि यां सु ०३ मि

२ वरबाध हस्त विमात न का १ भा ह न सहा न
२ वरबाध हस्त विजा किरे ५ पाथि न सहा न युता १५१

॥ अथ नमो भगवते ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in horizontal lines across the page. The script is somewhat faded and the paper is aged and stained. The text appears to be a list or record of items, possibly related to a library or collection, as suggested by the word "संग्रह" (Sangraha) visible in some lines. The lines are separated by horizontal lines, and there are some markings that look like numbers or dates at the beginning of some entries.

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation from the previous page. The text is written in a cursive style and includes some underlined portions.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the narrative or list. The text is written in a cursive style and includes some underlined portions.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the narrative or list. The text is written in a cursive style and includes some underlined portions.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the narrative or list. The text is written in a cursive style and includes some underlined portions.

Handwritten text in Devanagari script, continuing the narrative or list. The text is written in a cursive style and includes some underlined portions.

Vertical handwritten text in Devanagari script, likely a marginal note or a separate entry. The text is written in a cursive style and includes some underlined portions.

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना
वि या ७३ को २ ॥ धा सर ५९ मि ला द व ७३ क ५ स ७३ र

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को २ ॥ धा सर ६० मि सा धान कि स न ५ स ७३ र

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को ॥ ६० धा सर ६१ मि ला द व ७३ क ७ १ १ स ७३ र

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को ॥ ६१ धा सर ६२ मि सा धान कि स न ५ स ७३ र ४॥

१ माहा बुध न न सि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को ॥ ६२ धा सर ६४ मि का ति का कि स न ३ स ७३ र ४॥

१ माहा बुध न न सि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को ॥ ६४ धा सर ६५ मि धा य ७३ क ७ ६ स ७३ र ४॥

१ माहा बुध सि व दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को ॥ ६५ धा सर ६६ मि सी सि रे कि स न ५ स ७३ र ४॥

१ माहा बुध सि व दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को ॥ ६६ धा सर ६७ मि र्ध न कि स न १ स ७३ र ४॥

१ माहा बुध ता र ध र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ६७ धा सर ६८ मि ला द व कि स न ९ स ७३ र

१ माहा बुध म ह न सि ला र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ६८ धा सर ६९ मि ज ७३ क कि स न १ ३ स ७३ र मि यु का

१ माहा बुध सि व दारु र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ६९ धा सर ७१ मि का ति क ७३ क ७ ६ स ७३ र ४॥

१ माहा बुध सि व धे व दारु र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ७१ धा सर ७२ मि ७ ता ग म के १ १ स ७३ र

१ माहा बुध सि व धे व दारु र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ७२ धा सर ७३ मि क ता ग म के ४ स ७३ र

१ माहा बुध म ह न सि ला र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ७३ धा सर ७४ मि धा र ध ७ स वि या ७ ७

१ माहा बुध या म ना ता र सु धा ना वि या धा न पा या धा ना
७३ को ॥ ७४ धा सर ७५ मि ला र ध ७ स

१ माहा बुध जे जे र सु धा ना वि या धा न पा या
७३ को ॥ ७५ धा सर ७६ मि ज ना ता ग म के ३

१ माहा बुध या म ना ता र सु धा ना वि या धा न पा या

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को २ ॥ धा सर ५९ मि ला द व ७३ क ५ स ७३ र

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को २ ॥ धा सर ६० मि सा धान कि स न ५ स ७३ र

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को २ ॥ धा सर ६० मि सा धान कि स न ५ स ७३ र

१ माहा बुध धर्म वासि दारु र सु धान पावु या धा ना वि या
७३ को २ ॥ धा सर ६० मि सा धान कि स न ५ स ७३ र

[illegible]

प्रीता २८३ ॥

पान ५६ ५॥५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

कागा ५८ १५५

या ता ५८८ ॥ ११

धा ना ९८५ ॥ ५॥

५११५५० ॥५॥

१२९॥४

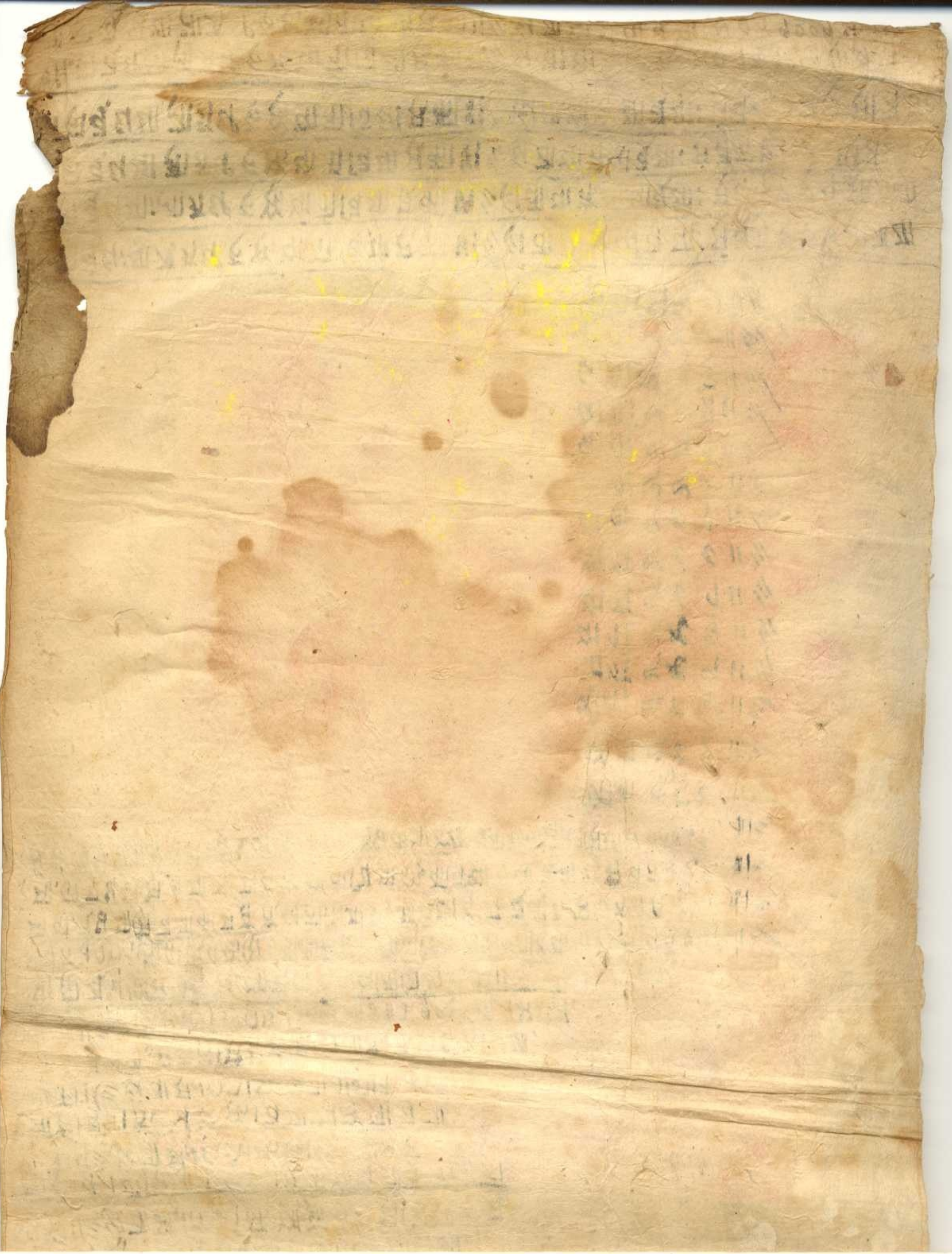
वाग २८३ ॥

॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पौन २२ ५॥॥

[illegible]



[Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page. The text is arranged in approximately 15 horizontal lines.]

[A small, rectangular block of handwritten text, possibly a signature or a specific note, located on the right side of the page.]

१ न क व दिति उ न क या लि ड व का प ति ध या के का या यु का ख य ना क दु यि क या
धा ता वि मा न का २ ध वा स व त ६० मि रा गु न कि स न ५ स ३३ ४॥

१ न क व दिति उ न क या लि ड व का प ति ध ह स धा ता वि मा का ख य ना क दु या
धा ता वि मा न का २ ध वा स व त ६१ मि रा गु न कि स न ५ स ३३ ४॥

१ न क व दिति उ न क या लि ड व का प ति ध या के का या यु का ख य ना क दु यि क या
धा ता वि मा न का २ ध वा स व त ६० मि रा गु न कि स न ५ स ३३ ४॥

१ स व त ६६ मि म सिल स दिः स म य ग य या व या वा लि या ल्या
खा ज मा व दि द य का ग र ल स ४॥

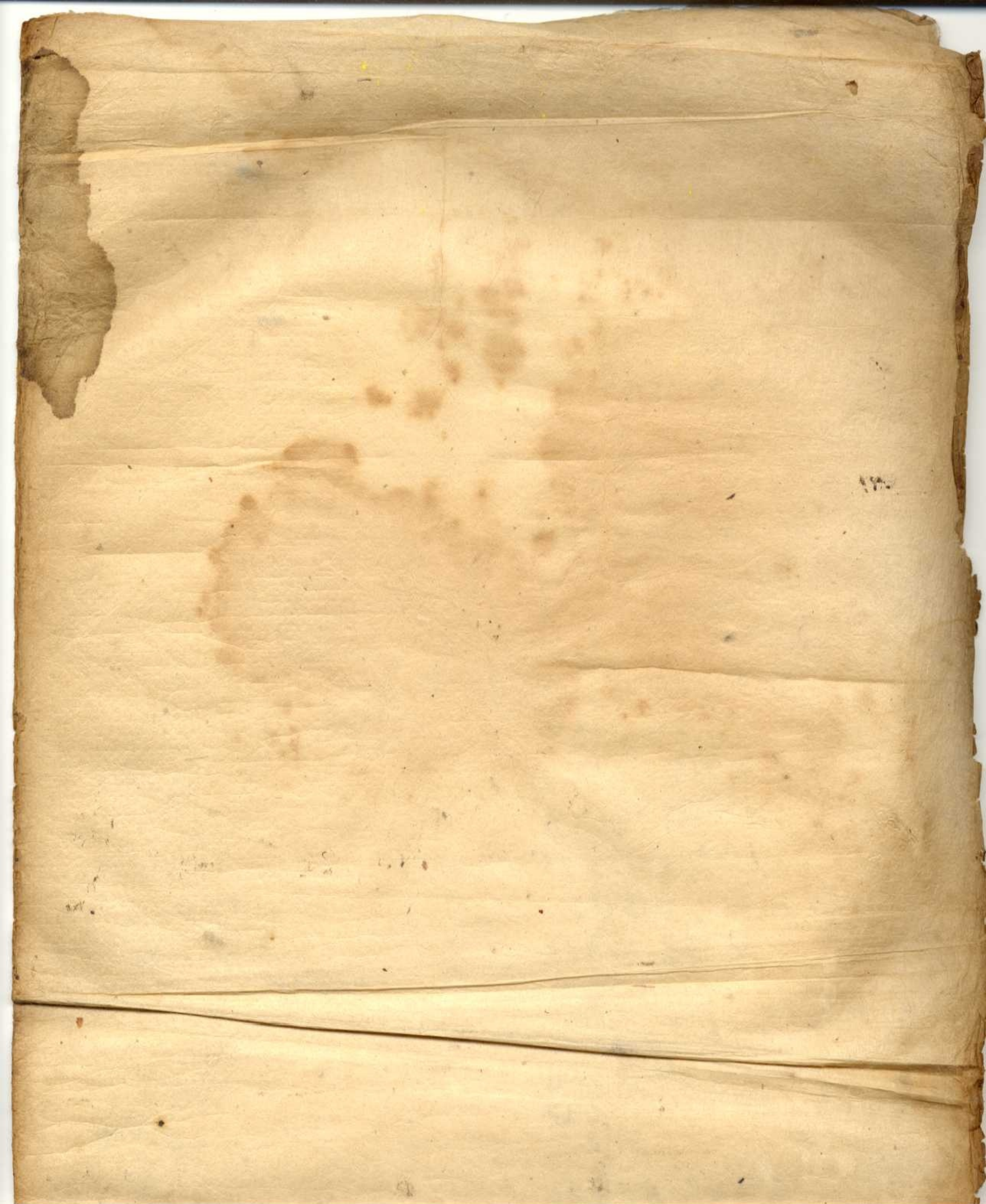
जा कि रुं ३८ मा या क	उम रुं ५८ य दा
जा कि रुं १००५ मा ग द	उम रुं १००६ ल द्वा
जा कि रुं २१ त द	उम रुं ५८ ता र र्वा
जा कि रुं २००१० र म	उम रुं ६८ या ग म
जा कि रुं २० ष सि वा हा	उम रुं ३८ या न या
जा कि रुं ६० ता हा च	उम रुं ६० ता का
जा कि रुं ९ ग ल ष	उम रुं १००११ रु क चा
जा कि रुं ८५ रुि वा	उम रुं १०० कि र द
	उम रुं ३८ या वा ग म
	उम रुं २ स र था

१ स व त ६६ १ मि का त ति क स दि १ स म य ग य या वा लि या ल्या खा व ही
द य का ग र ल स ४॥

जा कि रुं २० ता हा च	उम रुं २२ या उ व ग म
वि स मा	या ल सि
जा कि रुं २० ष सि वा हा	उम रुं ६८ रु क चा
कु ल अं त मा हा	वि स न व स
जा कि रुं ८५ रुि वा	उम रुं ५९ या ग म
कि स सि हा उ म	ब ति
जा कि रुं ६६ कु ल २ मा या क	उम रुं १२६ ल द
कु ल मं त व हा	

जाकि रुं २० बसि वाहा
कलउं तू मा हा
जाकि रुं ८५ रुि वा
कि ससि, हाउम
जाकि रुं ६६ कल २ मा याक
कलउं तू क झा
जाकि रुं २० बसि वाहा
हा नसि, सा मि
जाकि रुं ८० सि न
हा न द न द
जाकि रुं १०५ मा ग धा
वि स मा सि, सा मि
जाकि रुं २०० र म
ज स उं त
जाकि रुं १० ग ल व
दू

या ल सि
उम रुं ९८ रु क वा
वि स न व स
उम रुं ५९ सा गं
ब ति
उम रुं १२६ ल झा
जा सा म द
उम रुं १०० किले दा
ह लिन ल सि, व स
उम रुं ११ बहि व
कलउं तू क झा
उम रुं ६० ला जं था
ब ति
उम रुं ६ रु ना का
उम रुं २ स स था



मुन
१७१ वा सा ख द बु क या सा के लि हि रु ग न मु नि या न न क्ष त बु धि क न म धा
वि क ४ वि क या वि य मा न न का २ धा वा या ना स व न ह द मि धार व
र त ७३ ल ४॥ १७ १८ १९

• नि धारव
श ३ ७३ ८ ७

१२ का १२

ॐ नमो भगवते
 श्री गुरुभ्यो नमः
 ॐ नमो भगवते

तका २
तका ३
तका ३
निष्प

पु पु पु पु

1652
2675
2158
2158
2158

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some minor creases and discoloration, characteristic of old paper. There is no text or other markings on the page.

This image shows a close-up of a blank, aged, light brown paper cover or endpaper of a book. The paper has a textured, slightly mottled appearance with subtle variations in color and some minor creases or wrinkles, characteristic of old paper. There is no text or other markings on the surface.

युमाधा नविमा तं का २५ स ७१ मिले दै वकि स न १५ सु ध स वेति वा
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त न ७० दा त वु या
 धा न वि या त का २५ स ७२ मि ग या थ क ५ स वु ध वी त
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त न ७० दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ७३ मि दि ता ग क १० स ल क त वा न ह त
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त न ७० दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ७४ मि ज स थ क ५ स ल क त वा न
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त न ७० दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ७५ मि ज स थ क ५ स ल क त वा न
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त न ७० दा त वु या धा ता वि मा त का २
 त का २५ वा स व त ७५ मि न ता ग क ७ स स नि च वा
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त न ७० दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ७७ मि ग या थ क १३ स स मे वा त
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त वि या त न दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ७८ मि ग या थ क १३ स
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त वि या त न दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ७९ मि दि ता ग क ७ मा को सा
 २५ वा हा ष द बु क या सा क लि कु ज ग त मु नि ह स्त वि या त न दा त वु या धा ता वि मा त का २
 धा न वि या त का २५ स ८० न दा त वु या

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, stained paper and is mostly illegible due to fading and damage. The script appears to be a form of early modern European cursive, possibly from the 16th or 17th century. The text is organized into several lines, with some lines starting with capital letters or initials. The paper shows significant signs of age, including discoloration, water stains, and a large tear on the left edge.

॥ श्री
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१०१३
१ न साविथ्या उचित ११८

१ मुण्ड वा हा न या त्रि मसि ह सुधा ता
वियाण्ड का ॥६॥ धा स २१७ मि स सु
कि स न या १ स ७३६

१ मुण्ड वा हा न या त्रि मसि ह सुधा ता
वियाण्ड का ॥६॥ धा स २१७
मि स ७ न ७३ क १० स ७३ २४॥

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता वियाण्ड का ॥६॥
स २५६ मि स ७ त कि स न १ स ७३ ६

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता वियाण्ड का ॥६॥
स २५६ मि ला द व कि स न या १३ स ७३ ६

१ स २६० मि ला द व कि स न २ स मुण्ड वा हा या त्रि म
सि ह सुधा ता वियाण्ड का ॥६॥ धा ७३ ६४॥

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता विया
ण्ड का ॥६॥ धा स २६१ मि ला द व ७५ स ७३ ६

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
ता वियाण्ड का २॥ धा स २६२ मि ला द व कि स न १५ स २

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
वियाण्ड का २॥ धा स २६२ मि ला द व कि स न १०७ २

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
ता वियाण्ड का ॥६॥ धा स २६३ मि ला द व ७५ स ७३ ६

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
का ॥६॥ धा स २६४ मि ला द व कि स न २ स ७३ ६४॥

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
था वियाण्ड का ॥६॥ धा स २६५ मि ला द व ७५ स ७३ ६

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
ण्ड का ॥६॥ धा स २६६ मि ला द व कि स न ६ स ७३ ६

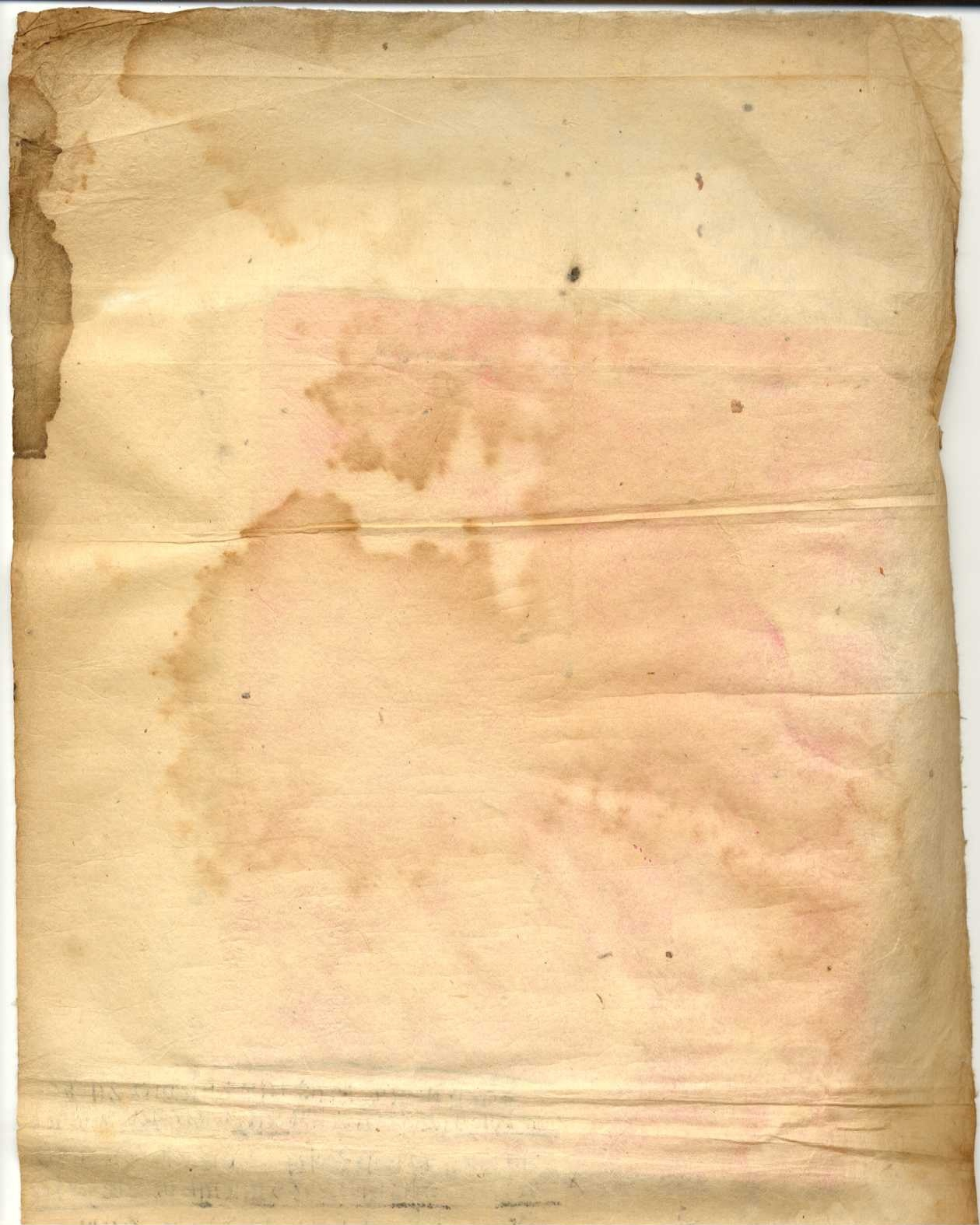
१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
ण्ड का ॥६॥ धा स २६७ मि ला द व कि स न ५ स ७३ ६

१ मुण्ड वा हा या त्रि मसि ह सुधा ता न साविथ्या या
ण्ड का ॥६॥ धा स २६८ मि ला द व कि स न ४ स ७३ ६

२ स २६९ मि ला द व कि स न ३ स ७३ ६
२ ७३ ६॥ य द वि त २६ कु त
२ ७३ ६॥ य द वि त २६ कु त
२ ७३ ६॥ य द वि त २६ कु त
२ ७३ ६॥ य द वि त २६ कु त
२ ७३ ६॥ य द वि त २६ कु त
२ ७३ ६॥ य द वि त २६ कु त

१ मु० वा० या० त्रि० म० शि० र० क० न० सा० यि० २० या० वा० ना० वि० या०
०३ का॥ १५ धा० वा० स० र० ६० मि० ऊ० सा० त्रि० कि० स० न० प० स० ग० र०

१ मु० वा० या० त्रि० म० शि० र० क० न० सा० यि० २० या० वा० ना० वि० या०
०३ का॥ १५ धा० वा० स० र० ६० मि० ऊ० सा० त्रि० कि० स० न० प० स० ग० र०



Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in horizontal lines across the page. Some lines are underlined, and there are occasional markings that look like 'X' or checkmarks. The ink is dark, and the paper is aged and yellowed.

Handwritten text in Devanagari script, arranged in a vertical column on the right side of the page. The text appears to be a list or a series of entries, possibly related to the main text on the left.

मनिकोयुधि क २

१ तर्धवादाय त्रिभिर्धसु
वाताविया न १ धु स ११५ मि
लद व किसन २ स

१ तर्धवादाय त्रिभिर्धसु
वाताविया न का १ धु वा स ११०
मि का नि क किसन २ स

१ तर्धवादाय त्रिभिर्धसु कलि कु ह धु वाता
विया न का १ धु स १५६ मि का नि क ७३ कु १

१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाता
विया न का १ धु स १५६ मि कु ७३ क किसन ५

१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाताविया
न का १ धु स १६० मि कु ७३ क ७३ कु १ स

१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाताविया न का १ धु
वा स १६१ मि लद व ७३ कु ५ स ७३ ८४॥

१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाताविया न का १
धु वा स १६२ मि लद व किसन १ स ४॥

१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाताविया
न का १ धु वा स १६३ मि कु ७३ कु ६ स म कि का व ७३ ८

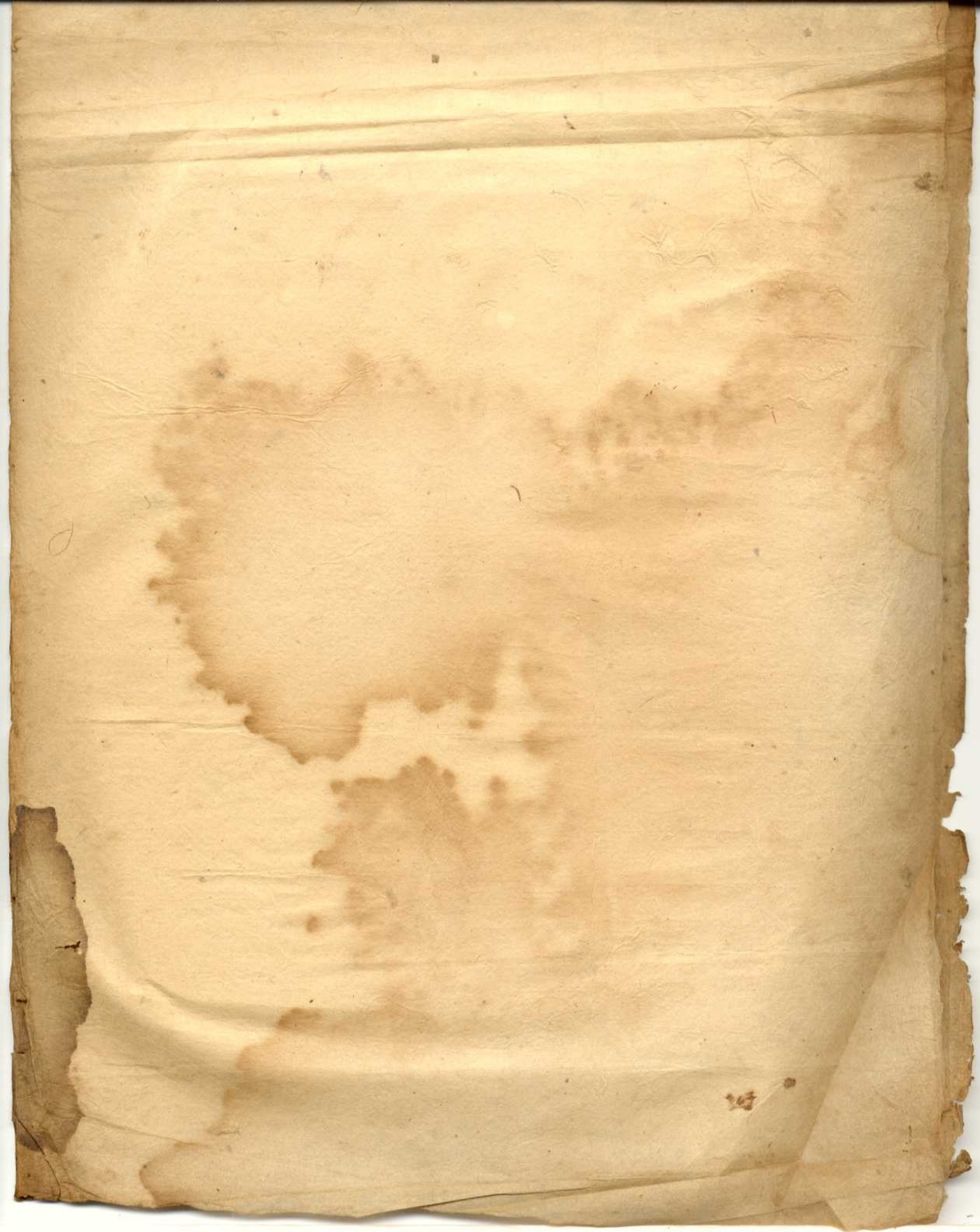
१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाताविया
न का १ धु वा स १६३ मि लद व किसन २ स ७३ ८

१ तर्धवादाय सा कलि कु त्रिभिर्धसु वाताविया
न का १ धु वा स १६४ मि ल ना ग म ५ स ७३ ८ ४॥

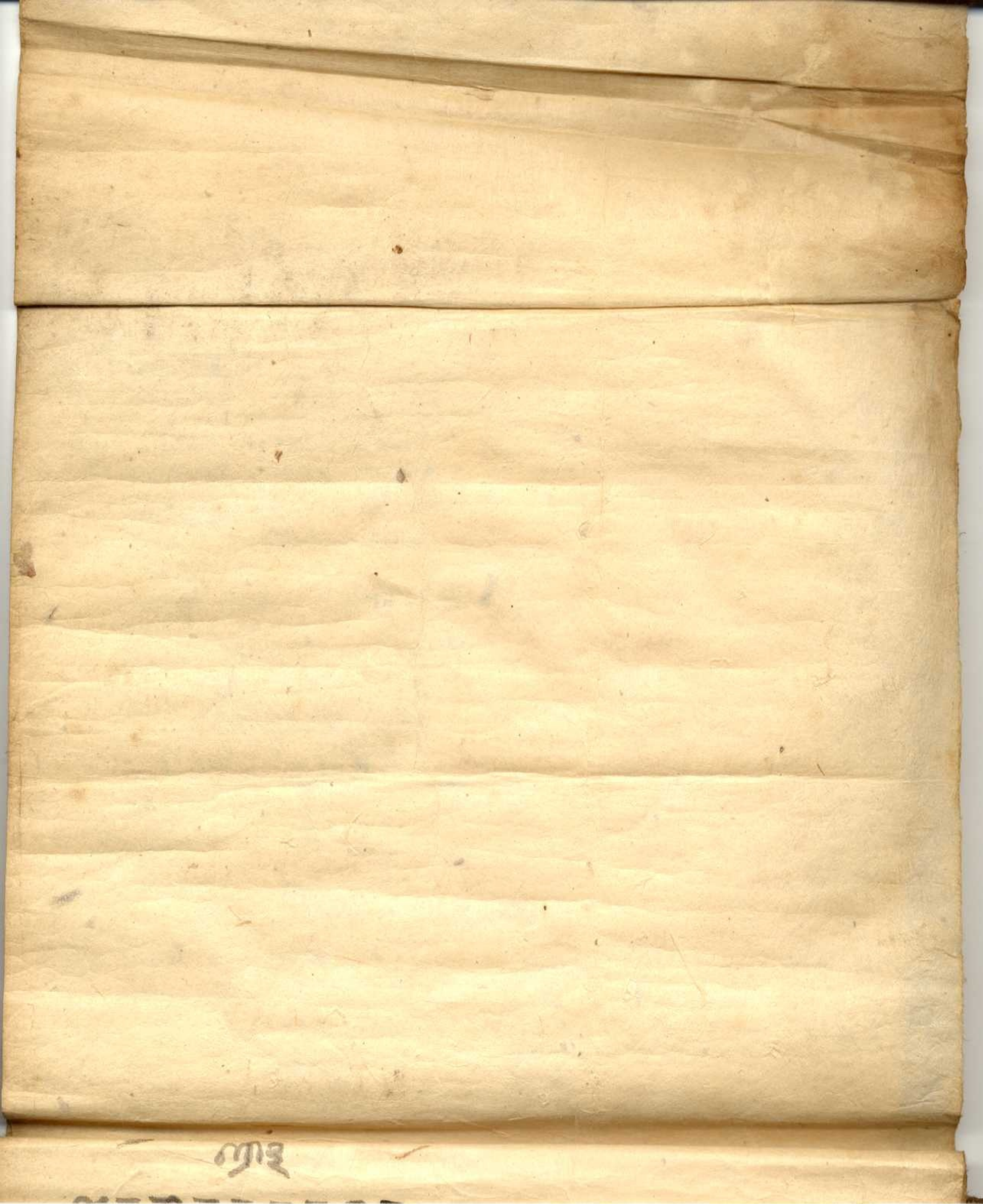
१ स १३१ स सा त स थ का प्रा ज त दि ता

१ स १५६ स सा त स थ का प्रा ज त व
सा क

१ स १६१ स सा त स थ का प्रा ज त
मि गु ग थ स नि स







१ नदल ५ ससाऊ गत म्पि व का यति
दक्षिणा ताविया गव २२ छि सद गी
मि सा जी न ग्ग कल ११ स द धु न ग या

नददसयारुगतसिंयज्ञायनिहस
धातावियायेत२२धिसह१५मि
साजिनकुल११सदथुतातयामुगु

१४ नदयः स्यात्तु गङ्गा सिन्धु यज्ञा यति हस्ति
याता विद्या गवतः २२ क्षु सतः १० मि सा १०
न कि स न १४ स इ पु न तया मु ग ३

१ न द ध स या ज ग न सिं य ज्ञा व नि द स
या ता वि या ग्य २२ ध स ह १८ मि ज स
०३ क ल ह स द धु नो ज या मु ०३ ३

नददसमायज्ञायतिज्ञगतां हस्तध्याताविया ७४२२४
सहस्रहस्तिलदवाकिसन ५ मस्त ७३२

नवदसमायकायानिगमसिंहसुखातावियावरर
सुखदमिलदवगुकरुसुखगुकरु

नदद स्यावशावतिरुगतमित्तसुधातादिव्याग्वर २२४
स ६९ मि कति ककिसन ० स गुरु

न दद स्या यक्र यतिरु गतसि हसु धाता विद्या य २२ ध्रुवा
सह ६७ मि साजी न न्नु क न १ स ग २ ३ ॥

न. द. द. स. या. य. ता. या. न. त. र. म. त. सि. ह. र. र. धा. ता. वि. या. ग. य. र. र. ध. वा.
सं. ल. ६. २. मि. अ. सा. ल. कि. स. न. र. स. द. थु. ता. न. मु. गु. क. गु. ल. ४॥

नददसमावकावतिरुगतिसिद्धिपातायिमाग्य २२६। वा
स १६६ मि. जसा १७५ क. १५ स दधु न १ मु ३३ १७५ ११।

नदयः स्यायतावतिरुगतहिं हस्तवानदियाग्य २२ धावा
सहृष्टमिकातिकणिकन १४ सदधुनानसमुत्तु २४ ॥

न तदस्य वरुणं तित्तमं तसि हस्तं वा तसि याग्यं रश्मिं वा
सहस्रं मिर्वेता ककिशानं तदधुना तमुग्रं कुण्डलं

...सप्तमः त्रिसप्ततय्यात्तु विमरका। गण॥ ५५॥ सप्ततय्यात्



५०७/२ ३३ १२ मा ११ वा

१ म सा वा हा ग या मार्लिका गदि किदि ह स

१७१३ बुबु न २ माग दा

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स
वा ना वि या ग २४ ध वा मा ग दा बु या
स १११ मि सा ज न कि स न १२ स ७३ ह

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स
वा ना वि या ग २४ ध वा मा ग दा बु या
स १११ मि व सा क ७३ क ११ स ७३ ह

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स
वा ना वि या ग २४ ध वा मा ग दा बु या
स १११ मि व सा क ७३ क १० स ७३ ह

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स
वा ना वि या ग २४ ध वा मा ग दा बु या
स १११ मि व सा क ७३ क ११ स ७३ ह

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स वा ना वि या
ग ७३ का १२ ध वा मा ग दा बु या स १११ मि व सा क ७३ क ११

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स वा ना वि या ग
का १२ ध वा मा ग दा बु या स १११ मि व सा क ७३ क ११

१ मु स्या वा हा न या मा त्रि का न वि कि धि ह स वा ना वि या ग
का १२ ध वा मा ग दा बु या स १११ मि व सा क ७३ क ११





१७७३ दशाब्द पुष्पतरुसाल ४

१७७३ दशाब्द पुष्पतरुसाल ४
१७७३ दशाब्द पुष्पतरुसाल ४

१ मु०३ वा हा नया न द्वा सिधि ह सुधा विद्या
त का १ ध वा वना न पु या
स ११४ मि ज सा ल ३३ क १ स ३३ ल

१ मु०३ वा हा नया न द्वा सिधि ह सुधा विद्या
त का १ ध वा वना ल पु या
स १११ मि ज सा ल कि स न ६ स ३३ ल

१ मु०३ वा हा नया न द्वा सिधि ह सुधा विद्या
त का १ ध वा वना ल पु या
स ११५ मि ज सा कि स न २ स ३३ ल

१ मु०३ वा हा नया न द्वा सिधि ह सुधा विद्या
त का १ ध वा वना ल पु या
स १११ मि ज सा कि स न १० स ३३ ल

१ मु०३ वा हा नया न द्वा सिधि ह सुधा विद्या
त का १ ध वा वना ल पु या
स ११६ मि ज सा ३३ क ११ स ३३ ल

१ मु०३ वा हा नया न द्वा सिधि ह सुधा विद्या त का १ ध
वा वना पु या स ११६ मि ज द व कि स न ११ ३३ ल

१ मु०३ वा हा या न द्वा सिधि ह सुधा विद्या त का १ ध
वा वना या स १६० मि ज द व ३३ क १ स ३३ ल

१ मु०३ वा हा या न द्वा सिधि ह सुधा विद्या त का १ ध
वा वना या स १६१ मि ज द व कि स न १६ स ३३ ल

१ मु०३ वा हा या ध न सिधि ह सुधा वना पु या वा ता विद्या
३३ का २ ध स १६२ मि ज द व कि स न १० ३३ ल

मु०३ वा हा या न सि म सि ह सुधा वना पु या वा ता विद्या
३३ का २ ध स १६२ मि ज द व कि स न १५ स ३३ ल

मु०३ वा हा या न द्वा सिधि ह सुधा वना पु या वा ता विद्या
त का १ ध स १६२ मि ज द व ३३ क १० स ३३ ल

१ ३३ ल ॥ स १२१ मि ज सा क ३३ क १३ स सर्व स ३३ स
द ह न या द या ३३ क ३३ त क न

१ मु०३ वा सा या धन सिद्धि ह सु वना बु या था ता वि का
 ०३ का २ धा सा र ६ २ मि ल द वे कि स न १० ०३ ल
 २ मु०३ वा सा या त सि म सि ह सु वना बु या था ता वि का
 ०३ का २ धा सा र ६ २ मि ल द वे कि स न १० ०३ ल
 ३ मु०३ वा सा या त सि म सि ह सु वना बु या था ता वि का
 ०३ का १ धा सा र ६ २ मि ल द वे कि स न १० ०३ ल

१०३ ल ॥ मु० २९ मि ल सा क ०३ क ३ स स र व स ग स
 द स र यो रु या ०३ ल क र



धा कि र ३ मा जू रि थ म का या ग
 व रि र ६ मा म का या ग
 वे ता म वि कु र ६ म का या ग
 सि या व रि जू न
 वा ना पु २ मा ड जू ना १ मा म का या ग
 धा र ७ २ म का या त मा
 रु रि म ३ मा म का या का द क त
 न तु ता धा नि २ कु २ मा म द क म म म का या
 ड न का १ १ धा म का या त म द क म म

धा न रि द ह रू या रु या त कु स पु रु या त सा
 धा कि र २ म द क म म या व स ७१ स ध र यो रु या
 न तु ता धा नि २ म द क म म
 व रि र ५ मा
 धा र ११ मा मा का या रा या धा र
 धा सा ता ६ मा र यो रा या धा र
 कु स पु रु या म या सा त सा रा रु १ म द क म म
 वा ता त १ धा र मा
 दु धा का रि आ दा ज द सा ता हा त स रू ग य मा मा
 म मा म म म

१ सुहृ १२ मिथि राथ क २ सु न व द रा का आ न थ वा धु त्रि
म स ग क ज ग का वि व व न को को आ न

स व त ल ६६ स भि का ति क कि म न ८० स ३ स ६ य त म का जे का २४० य म का वि
६६ ३ २ ६ वा न का को न वि

गु मा ज पा स थो य का त मा क द गु ला स र ३
कि २ १ कु १ व कि २ ३ कु २ ३
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

१ द र य सु नि ग त उ व म श या या त वि क द गु ला स र ३
व त पु त्रि वि ध प तिल हे या द ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

१ द धु उ त गी या र ग वि य द्वा ता धा न या कु सा मु सा
न क ज नो कु सा मु सा कु त १० व कि २ ३ द धु ति
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

१ नाकिमिल दत्त पा नविया तका ॥ १० ध्यावा
स यत् १०० अत्र द्वा वामा द्वा मात तका सु ३६ ॥
क वा नी ना क या गु सु स क म्प्र थि म्द त वि प धू न
क त की स न ध द

१ गिवृद्धसमालगतसिद्धिफलमा मधुलिङ्ग
तद्विधासंज्ञा १ सवत् १७९

१ नकिमिलदह सधा ताविया
तका ११८ धवा समिरुवुया
मर १८ मिम सा लकि सन १४ स

२ नकिमिलदह तधा ताविया तका ११८ धवा
सवतर ८० आनया वामा वृक्ष माना तका मर ३८ ॥
क वा क ना क मा गु म म क ग्रि म दू त वि म धू न
न त का स न ध दू न

३ नकिमिलदह सधा ताविया तका ११८ सवतर ८१
मर १८ धवा

सर्वत्र ३३ स म ग द वा व सि ल अ व उ अ द अ ग
॥ स न ॥ ३० स न सि थ न क स ग म र भि स भि म
य वि स भि म न व न न न क । न न क १ अ धि द वा म धि न

॥ ३३ स ॥ क भि ज न स स न क क स ग क सि न

॥ ३३ स ॥ स ग म म न थ त म म न ३३ सि न सि न
न न न स न धि न य न न न ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥

॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥

॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥

॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥

॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥
॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥ ३३ स ॥

